देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

JAWAB DO SARKAR ™

www.jawabdosarkar.com

रेफरेंस संख्या –2021/vps/01 | E-Version, Issued in Public Interest | बुधवार, 2 जून 2021

हमारे टीके डस्टबिन में क्यों फेंके? ये सिर्फ वैक्सीन नहीं, संजीवनी है

भास्कर का बड़ा खुलासा

राजस्थान में टीके की बर्बादी, 35 सेंटरों के कचरे में मिलीं 500 वायल, इनमें 2500 से भी ज्यादा डोज

राजस्थान के 8 जिलों जयपुर, अजमेर, टोंक, सवाई माधोपुर, बूंदी, दौसा, भरतपुर और करौली के वैक्सीनेशन सेंटरों पर टीकों की बर्बादी देखी

आनंद चौधरी | जयपुर

राजस्थान जितनी वैक्सीन मांग रहा है, उसकी चौथाई भी नहीं दे रहा है केंद्र। किल्लत तो होगी ही, सेंटर बंद करने पड़ रहे हैं। राजस्थान सरकार यह बात अमूमन हर रोज कह रही है। केंद्र रोज आंकड़े जारी कर बता रहा है कि किस राज्य को कितनी वायल दी, कितनी डोज राज्यों ने खराब कर दी। **एक वायल में 10 डोज होती हैं। भास्कर को 8 जिलों के 35 वैक्सीनेशन सेंटरों की डस्टबिन में मिली 500 वायल में करीब 2500 से भी ज्यादा डोज हैं।**

भास्कर टीम की पड़ताल में 500 से ज्यादा वायल 20 से 75% तक भरे मिले। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में 16 जनवरी से 17 मई तक 11.50 लाख से ज्यादा कोविड डोज बर्बाद कर दी गई हैं। वैक्सीन की बर्बादी पर भी राज्य और केंद्र सरकार के अपने-अपने आंकड़े हैं। राजस्थान सरकार बता रही है कि प्रदेश में वैक्सीन वेस्टेज महज 2% है, जबकि अप्रैल में केंद्र ने 7% और 26 मई को 3% वैक्सीन खराब होना बताया है। भास्कर टीम जिन कोविड वैक्सीनेशन केंद्रों तक पहुंची, वहां वैक्सीन की बर्बादी का प्रतिशत 25% तक मिला है। सभी वायल भास्कर के पास हैं। स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव अखिल अरोड़ा का कहना है कि हम जांच कराएंगे। भास्कर उन्हें ये सारी वायल सौंपेगा।

हम लाए हैं डस्टबिन से वैक्सीन निकाल कर.. भास्कर आज ये वायल विभाग को सौंपेगा, जो 20% से लेकर 75% तक भरी हुई हैं...

राजस्थान के अलग-अलग वैक्सीनेशन सेंटरों की डस्टबिन से जमा की गई वायल। इन सभी पर बैच नंबर और लगाने की तारीख दर्ज है। फोटो | अनिल शर्मा

वैक्सीन की सबसे ज्यादा बर्बादी यहां हुई

स्वास्थ्य केंद्र, खटकड़, बूंदी	25%
स्वास्थ्य केंद्र जूनिया, केकड़ी	20%
स्वास्थ्य केंद्र लाखेरी बूंदी	18%
स्वास्थ्य केंद्र, डिग्गी, मालपुरा	15%
स्वास्थ्य केंद्र, इंद्रगढ़, बूंदी	15%
स्वास्थ्य केंद्र, फागी, जयपुर	10%
स्वास्थ्य केंद्र मलारना चौड़ बौंली	10%
स्वास्थ्य केंद्र, रेनवाल मांझी, जयपुर	10%
स्वास्थ्य केंद्र, लालसोट, दौसा	9%
स्वास्थ्य केंद्र, केकड़ी, अजमेर	5%

चूरू में 39% व 5 जिलों में 11% से ज्यादा वेस्टेज

चूरू	39.7%
हनुमानगढ़	26.40%
भरतपुर	17.13%
कोटा	16.71%
चित्तौड़गढ़	11.81%
जालोर	9.63%
सीकर	8.83%
अलवर	8.32%
धौलपुर	7.89%
अजमेर	6.75%

अपने सेंटरों से ही सीख की डोज ले लें

केरल को जितनी वैक्सीन वायल मिली, उससे 87 हजार ज्यादा लोगों को डोज लगाई गई। राजस्थान में ही स्वास्थ्य केंद्र हिंडौली द्वारा सीनियर सैकंडरी स्कूल मे लगे कैंप में एक भी डोज बर्बाद नहीं हुई। एएनएम गायत्री शर्मा को 27 मई को 22 वायल मिली जिससे 240 लोगों को टीका लगाया। बूंदी के बालचंद पाड़ा केन्द्र पर एएनएम महिमा वर्मा, अयोध्या शर्मा और अफरोज ने 25 वायल से 274 लोगों को बुला बुलाकर टीका लगाया।

जैसलमेर ने 10% ज्यादा को लगाई

जैसलमेर	10.24%
झुंझुनूं	3.32%
बांसवाड़ा	1.93%
उदयपुर	1.27%
गंगानगर	0.26%

दैनिक भास्कर मे दिनांक 31/05/2021 को प्रकाशित खबर से साभार

सजग मीडिया बनाम जवाबदेह सरकार

भाग-1

हमारी वैक्सीन कौन बर्बाद कर रहा है?

*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

हमारे सच का सबूत • 8 जिलों के 35 वैक्सीनेशन सेंटरों की डस्टबिन से उठाई गई 500 वायल पर दर्ज बैच नंबर की जांच करा लें

28 मई को ये तस्वीर बूंदी के इंदरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की है।

स्वास्थ्य मंत्री जी! तस्वीर को गौर से देखिए, ऐसे ही कचरा पात्रों से 2500 डोज भरी 500 वायल लाया है भास्कर...और आप कहते हैं-कोई वैक्सीन कचरे में नहीं फेंकी

रघु शर्मा कहते हैं- खबर भ्रामक है...ऐसा है तो हम पर कार्रवाई करें, लेकिन उससे पहले बयानों के बजाए हमसे हर सबूत ले जाएं

जयपुर | दैनिक भास्कर ने राजस्थान में टीके की बर्बादी का सच दिखाया तो जिम्मेदार उस सच पर ही सवाल उठाने लगे। 31 मई के अंक में भास्कर ने खबर प्रकाशित की थी कि प्रदेश के 8 जिलों के 35 वैक्सीनेशन सेंटरों के कचरे में वैक्सीन की 500 वायल मिली हैं, जिनमें 2500 से भी ज्यादा डोज हैं। चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने सोशल मीडिया पर कहा- 'दैनिक भास्कर अखबार में डस्टबिन में वैक्सीन मिलने की खबर पूर्णतः तथ्यों से परे एवं भ्रामक है। वैक्सीन वायल्स का उपयोग करने के बाद इन्हें नियमानुसार संबंधित चिकित्सा संस्थान में ही जमा करवाया जाता है।' अगर ऐसा है तो बायीं ओर लगी तस्वीर को गौर से देखिए। भास्कर ने ऐसे ही कचरा पात्रों से 500 वायल उठाईं। इनमें बाकायदा बैच नंबर और लगाने की तारीख तक दर्ज है। इनकी जांच करके सिस्टम के सुराख बंद करने की बजाय स्वास्थ्य मंत्री संबंधित पत्रकार पर ही कार्रवाई करने की बात कर रहे हैं।

ये सच भी पढ़िए...टोंक के स्वास्थ्य केंद्र में खाली वायल जलाई भी गईं, चिकित्सक बोला- हमारे पास इन्हें संभालकर रखने का कोई आदेश नहीं

...और स्वास्थ्य मंत्री कह रहे कि खाली वायल चिकित्सा संस्थान में जमा होती है

भास्कर ने 31 मई को छपी हाकर में बताया था कि टीका केंद्रों पर कैसे वायल बर्बाद की जा रही हैं।

भास्कर टीम की पड़ताल के दौरान 28 मई को टोंक जिले के लांबा हरिसिंह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास नाले में जली हुई वैक्सीन भी मिलीं। वहां मौजूद चिकित्सक से जब खाली वायल के बारे में पूछा तो उन्होंने जली हुई वायल दिखाते हुए कहा - खाली वायल तो हमने जला दी। भास्कर रिपोर्टर ने जब उनसे कहा कि अगर किसी व्यक्ति को दिक्कत हो गई तो कैसे पता चलेगा कि किस बैच की वैक्सीन लगी थी। चिकित्सक ने कहा - हमें सरकार की ओर से ऐसे कोई आदेश नहीं मिले कि टीका लगाने के बाद वायल को संभाल कर रखना है।

डॉ. हर्षवर्धन ने रघु शर्मा को पत्र लिखा- टीके की बर्बादी की जांच कराएं, डोटासरा बोले-सभी राज्यों में बर्बादी हुई

▮ प्रदेश में वैक्सीन की बर्बादी की खबरों को गंभीरता से लेते हुए मैंने रघु शर्मा जी को पत्र लिखकर मामले की जांच के लिए कहा है। - डॉ. हर्षवर्धन, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

▮ अकेले राजस्थान ही नहीं सभी राज्यों में कोरोना की डोज खराब हुई हैं। हमने केंद्र से जितनी डोज मांगी उतनी मुहैया नहीं करा पाया। - गोविंद डोटासरा, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष

...फिर देर शाम फैसला- वैक्सीनेशन का भी ऑडिट होगा

प्रमुख शासन सचिव एवं स्वास्थ्य अखिल अरोड़ा ने बताया कि कुछ जगह वैक्सीन के वेस्टेज के संबंध में समाचार प्रकाशित हुए हैं। प्रारंभिक जांच में ऐसी वेस्टेज कहीं नहीं पाई गई। इसके बावजूद हाईलाइट किए गए स्थानों की कलेक्टर से विशेष वैक्सीन ऑडिट कराने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रत्यक्षं किं प्रमाणम्... भास्कर को कचरा पात्रों में मिलीं 500 वायल में से ये 20 वायल बतौर सैंपल देखिए...हम बैच नंबर भी बता रहे, मंत्री जी! इनकी जांच करा लें

...और इस जांच में जो सच सामने आए, उसे सार्वजनिक कर दीजिए, हमारा मकसद सिर्फ सिस्टम के सुराख दिखाना है ताकि डोज बर्बाद न हों

बैच 41212050 बैच 41212040 बैच 41212051 बैच 41212057 बैच 41212047 बैच 41212054 बैच 41212060 बैच 41212052 बैच 41212054 बैच 41212064 बैच 41212059 बैच 41212042 बैच 41212069 बैच 41212072 बैच 41212031 बैच 37F21034A बैच 37F21042A बैच 37F21014A बैच 37G20007A बैच 37F21034A

जयपुर | राजस्थान में टीके की बर्बादी को लेकर दैनिक भास्कर की खबर के बाद महकमे में खलबली मची। मगर 48 घंटे बाद भी स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा भास्कर द्वारा दिखाई गई वायल में बर्बाद होने वाली करीब 2500 डोज की जांच कराने की बजाए बयानबाजी में व्यस्त हैं। भास्कर बतौर सैंपल 500 में से 20 वायल की तस्वीरें उनके बैच नंबर के साथ प्रकाशित कर रहा है। साथ ही सरकार से अपील भी करता है कि इन वायल की जांच कराएं और जो भी सच सामने आए, उसे सार्वजनिक करें। भास्कर का मकसद सिर्फ सिस्टम के वो सुराख सामने लाना है, जिनकी वजह से हमारी कीमती वैक्सीन बर्बाद हो रही है।

मंत्री रघु शर्मा का दावा: प्रदेश में 2% वैक्सीन बर्बाद हुई, जो देश के औसत से कम...पर जहां 5.35% बर्बादी बता रहे, वहां 25% है

राजस्थान में वैक्सीन की बर्बादी पर चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा अपना बचाव करते-करते खुद घिर गए हैं। दरअसल, केंद्रीय चिकित्सा मंत्री डॉ. हर्षवर्धन को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि ये वायल डिस्पोजल वेस्ट के लिए डाली गई थीं। ऐसे में सवाल है कि क्या भरी हुई वायल डिस्पोजल के लिए भेजी जाती हैं? रघु शर्मा दावा कर रहे हैं कि प्रदेश में 2% वैक्सीन ही बर्बाद हुई है, जबकि देश का औसत 6% है। शर्मा ने सोशल मीडिया पर स्क्रीन शॉट शेयर करते हुए बूंदी की जिस खटकर सीएचसी में 5.35% वैक्सीन की बर्बादी बताई है, वहां हकीकत में 25 प्रतिशत तक डोज बर्बाद हुई हैं।

राठौड़ का पलटवार: दोषी भी मैं, जांचकर्ता भी मैं, निर्णयकर्ता भी मैं, कोरोना से मौतों व वैक्सीन बर्बादी की थर्ड पार्टी से जांच कराएं

उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने टीके की बर्बादी को लेकर मंगलवार को राज्य सरकार पर पलटवार किया। कहा- दोषी भी मैं, जांचकर्ता भी मैं, निर्णयकर्ता भी मैं, स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा जी को प्रकाशित समाचारों की आलोचना से विचलित ना होकर समालोचना कर कोरोना प्रबंधन पर ध्यान देना चाहिए। साथ ही कोरोना से हुई मौतों व वैक्सीन बर्बादी की थर्ड पार्टी से जांच कराएं ताकि सच सामने आए। सरकार अब इस मामले में ध्यान भटकाकर पीले बैग में वायल होने की बात करके अपना बचाव कर रही है जबकि वैक्सीन प्रबंधन में सबकुछ काला ही काला है।

ऐसी ही आधी से ज्यादा भरी हुई वैक्सीन की सैकड़ों और वायल अब भी दैनिक भास्कर के पास हैं...स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा हमारे ऑफिस से इन्हें मंगवा सकते हैं...हमारा पता है-

दैनिक भास्कर ऑफिस
10 जेएलएन मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर, पिन कोड - 302015

वैक्सीन की बर्बादी पर रार: कांग्रेस ने जहां केंद्र की नीति को दोषी माना, वहीं भाजपा ने राज्य सरकार पर राजनीति करने का लगाया आरोप

रजिस्ट्रेशन की अनिवार्यता के चलते सेंटरों पर डोज बच रही थी: डोटासरा

पीसीसी चीफ बोले-राजस्थान मामले में 12 राज्यों से बेहतर

जयपुर | प्रदेश में वैक्सीन की बर्बादी के मुद्दे पर कांग्रेस ने भी सफाई दी। प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सोमवार को पीसीसी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि केंद्र की खराब नीतियों के चलते राज्यों में वैक्सीन बर्बाद हो रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान तो इस मामले में 13वें नंबर पर है उससे पहले 12 राज्य आते हैं। डोटासरा ने कहा कि केंद्र की नीति के चलते रजिस्ट्रेशन करवाने वाले को ही वैक्सीन लगाई जाती थी। इसी प्रक्रिया के चलते वैक्सीन डोज के बचे हुए अधिकतम भाग वेस्ट हो रहे हैं। लेकिन कचरे ढेर में मिली वैक्सीन की वाइल को लेकर उन्होंने कुछ भी नहीं कहा। डोटासरा ने प्रदेश के सभी 25 भाजपा सांसदों द्वारा केंद्र सरकार के कोरोना वैक्सीन संकट में सहयोग न देने के लिए दोषी ठहराया।

वैक्सीन संकट पर जुबान न खोल पाना लोकतंत्र के साथ अन्याय

डोटासरा ने कहा कि सभी सांसदों का पीएम मोदी के समक्ष प्रदेश में व्याप्त वैक्सीन के संकट के संबंध में जुबान न खोल पाना लोकतंत्र के साथ अन्याय है। भाजपा महामारी के समय अपने शासन के 7 वर्ष पूरे होने पर जश्न न मनाने की घोषणा करने के बाद भी अपनी झूठी उपलब्धियों को प्रचारित कर रहे हैं। राजस्थान भाजपा के नेता और सांसदों को पीएम से प्राथमिकता के आधार पर प्रदेश को मुफ्त वैक्सीन उपलब्ध कराने की मांग करनी चाहिए थी।

प्रदेश में जितनी डोज खराब हुईं, उनसे 10 लाख लोगों को लग जातीं: शेखावत

राजस्थान में कोरोना वैक्सीन की खराबी पर उठाए सवाल

जयपुर | केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान में 11.5 लाख कोविड वैक्सीन की बर्बादी पर अशोक गहलोत सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए। शेखावत ने कहा कि जितनी वैक्सीन राज्य में खराब हुई हैं, उससे 10 लाख से ज्यादा लोगों का वैक्सीनेशन हो सकता था। उन्होंने गहलोत सरकार पर ग्लोबल टेंडर के नाम पर सस्ती लोकप्रियता के लिए शिगूफा छोड़ने का आरोप भी लगाया। सोमवार को मीडिया से वर्चुअल रूबरू होते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सबसे पहले राजस्थान के मुखिया ने आगे बढ़कर कहा था कि हमें अनुमति दें, हम 18 साल से ऊपर के सभी लोगों को वैक्सीन स्वयं लगा लेंगे। फिर ग्लोबल टेंडर का नाटक किया। जब इसमें सफल नहीं हुए तो केंद्र सरकार पर ठीकरा फोड़ दिया।

पूनियां ने कहा- कांग्रेस सरकार ने वैक्सीनेशन में राजनीति की

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने कहा कि कांग्रेस ने वैक्सीनेशन में राजनीति की है। जो वैक्सीन इनको 18-44 वर्ष की आयु के लोगों को लगानी थी, जिसको लेकर खबरें हैं कि किस तरीके से वैक्सीन कबाड़ में मिलीं। ये दुर्भाग्यपूर्ण है। इनके सदुपयोग से काफी संख्या में लोगों को वैक्सीनेशन का मौका मिलता। राज्य सरकार ना कालाबाजारी पर नियंत्रण कर पा रही है, ना वेस्टेज पर।

दैनिक भास्कर मे प्रकाशित खबरो से साभार

वेक्सीन ही संजीवनी

यकीनन कोरोना महामारी के इस भयंकर दौर मे जब सब तरफ से आम जन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है,वेक्सीन ही एक मात्र आशा की किरण के रूप मे हमारे सामने आई है|1.21 करोड़ जनसंख्या वाले इस देश मे कम समय मे अधिक से अधिक लोगो को वेक्सीन लगवाना अपने आप मे एक बड़ी चुनौती है लेकिन इसके बावजूद केंद्र सरकार,राज्य सरकार और हमारे कोरोना वारीयर्स लगातार आम जन को वेक्सीन लगवाने के लिए प्रयासरत है|

दिनांक 31/05/2021 को दैनिक भास्कर मे प्रकाशित खबर "राजस्थान मे टीके की बर्बादी,35 सेंटरों के कचरे मे मिली 500 वायल,इनमे 2500 से भी ज्यादा डोज़"

ऐसे समय मे दिनांक 31/05/2021 को दैनिक भास्कर मे प्रकाशित खबर "राजस्थान मे टीके की बर्बादी,35 सेंटरों के कचरे मे मिली 500 वायल,इनमे 2500 से भी ज्यादा डोज़" ने रविवार की सुबह अखबार पढ़ने वाले हर एक जिम्मेदार नागरिक को जखझोर कर रख दिया|क्यूंकी जिस वेक्सीनेशन के लिए हमारे जैसे आम आदमी को रोज मोबाइल मे स्लॉट देख कर इंतजार करना पड़ रहा है और वेक्सीनेशन के अभाव मे एक एक दिन भारी साबित हो रहा है ,वही टीकों की बर्बादी की इस खबर ने जले पर नमक छिड़कने का काम किया|

इस खबर के प्रकाशन के अगले दिन सरकार ने इस खबर को भ्रामक बता कर ,गलत पहचान बताने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही करने की बात कही(राजस्थान पत्रिका मे प्रकाशित खबर के अनुसार)

स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा मंत्री बोले.. एक समाचार पत्र ने भ्रामक सूचना से जनता को किया गुमराह

हेल्थ वॉरियर्स पर दबाव डालकर ले ली निस्तारण के लिए रखी वॉयल

गलत पहचान बताकर घुसने वालों पर सरकार करेगी कार्रवाई

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में कोविड-19 वैक्सीन की डोज को डस्टबिन में बताने वाले समाचार के मामले में राज्य सरकार की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। संबंधित अस्पतालों में की गई जांच में सामने आया है कि उक्त समाचार पत्र (राजस्थान पत्रिका नहीं) के पत्रकार अस्पतालों में खुद को स्वास्थ्य विभाग और विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि बताकर घुसे और हेल्थ वॉरियर्स पर दबाव डालकर उनसे कोविड वैक्सीन ले ली। चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा ने भी ट्वीट कर उक्त समाचार को पूरी तरह फर्जी और तथ्यों से परे

जो वॉयल बताई, उन सभी का किया उपयोग

सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि कोविड-19 वैक्सीन की डोज की पूरी जानकारी केन्द्र सरकार के कोविन-ईविन सॉफ्टवेयर पर दर्ज की जाती है। जिन वॉयल्स के बारे में समाचार में बताया गया है वे सभी ईविन में दर्ज हैं और इन सभी वॉयल का टीका कर्मियों ने समुचित उपयोग किया है।

कुछ वॉयल जबरन ले ली, जबकि कोई भी वॉयल कचरे के डिब्बे फेंकी हुई नहीं थी।

चिकित्सा विभाग के प्रमुख शासन सचिव अखिल अरोड़ा

राजस्थान पत्रिका मे दिनांक 01/06/2021 को प्रकाशित खबर से साभार

दैनिक भास्कर ने भी सरकार के जवाब पर पलटवार करते हुए चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा पर कार्यवाही करने की चुनौती दे डाली और 20 वायल के बैच नंबर भी अपनी दिनांक 02/06/2021 की खबर मे प्रकाशित कर दिये|

बहरहाल इस मामले मे अखबार और सरकार अपनी अपनी दलीले दे रहे है ,लेकिन इन दोनों पक्षो की दलीलों से हमारे जेहन मे कई सवाल उमड़ रहे है,जिनका जवाब मिलना आवश्यक है|

भास्कर से सवाल?

- आपके द्वारा 8 जिलों जयपुर,अजमेर,टोंक,सवाई माधोपुर,बूंदी,दौसा,भरतपुर और करौली के किन किन वेक्सीन सेंटरों से कितने कितने वायल्स इकट्ठे किए?
- इस बात का क्या सबूत है कि उक्त वायल उक्त सेंटरों के डस्टबीन से ही एकत्रित किए गए?
- दिनांक 01/06/2021 को प्रकाशित खबर मे जिस पीले थैले को आप 28 मई को बूंदी के इंदरगढ़ स्वस्थ्य केंद्र की बता रहे

है,थैले को गौर से देखने पर इस थैले मे ही करीब 100 से अधिक वायल नजर आ रही है,जो कि आपके 500 वायल के आंकड़े का ही करीब 25% है|क्या है इस आंकड़े और इस पीले थैले की सच्चाई?

- सरकार के दावे के अनुसार पीले थैले का उपयोग बायोमेडिकल वेस्ट डिस्पोसल गाइडलाइन के अनुसार टिकाकरण सत्र स्थल से उपयोग मे ली गयी वाईल्स/अवधिपार वेक्सीन को संग्रहीत किए जाने के उपयोग मे लिया जाता है,संग्रहण के पश्चयात गाइडलाइन के अनुसार वायलो को विसंकमित कर निस्तारित कर दिया जाता है|यह पीले थैले कचरा पात्र नहीं है|सरकार के इस दावे और आपकी खबर मे छपी इस पीले थैले की क्या है सच्चाई?
- आपके द्वारा टोंक जिले के खाली वैक्सीन वायल को जलाने की खबर को असत्य बताते हुए,चिकित्सा विभाग द्वारा टोंक जिले मे स्थित CHC,लांबा हरीसिंह को कुल आवंटित 622 वायल का हिसाब भी बताया गया है,जिसमे बताया गया है कि 614 वाईल्स उपयोग मे ले ली गयी है और खाली वाईल्स ब्लॉक मालपुरा मे जमा करवा दी गयी है|शेष 8 वाईल्स मे से 7 वाईल्स आज दिनांक 01 जून 2021 को काम मे लिया जा रहा है तथा 01 वाईल कोविडशील्ड वेक्सीन कोल्ड चैन मे संधारित है|सरकार के इस जवाब पर आपका क्या कहना है?
- आपकी खबर मे प्रकाशित वेक्सीन सेंटरों की सूची जहां वेक्सीन की सर्वाधिक बर्बादी हुई है,उसके जवाब मे सरकार द्वारा अपने आंकड़े प्रस्तुत किए है इन आंकड़ो के जवाब मे आपका क्या कहना है?

वेक्सीनेशन सेंटर	जिला	वेक्सीन की बर्बादी	वेक्सीन की बर्बादी
खटखड़	बूंदी	25	5.35
जीएसएसएस मालपुरा	टोंक	15	-1.36
सीएचसी डिग्गी	टोंक	15	-8.18
सीएचसी मालपुरा	टोंक	15	-933
लालसोट	दौसा	9	1.5
मलारनाचौड	सवाई माधोपुर	10	3.48
केकड़ी साइट 2	अजमेर	5	-1.22
केकड़ी साइट 45	अजमेर	5	-6.76
कोविड स्टाफ केकड़ी	अजमेर	5	-5.66
पीएचसी जूनिया साइट-1	अजमेर	20	1.58

सरकार से सवाल?

- भास्कर जिन 500 वाईल्स के बर्बाद होने की पुष्टि कर रहा है,वह वाईल्स जिन किन जिलों मे किन किन वेक्सीन सेंटरों को उपलब्ध करवाई गयी थी?
- जिन 500 वाईल्स के भास्कर 25 से 75% बर्बाद होने की पुष्टि कर रहा है,उनमे से किन किन व्यक्तियों को आधिकारिक रूप से टीके लगवाए गए है?
- यदि भास्कर के संवाददाता/पत्रकार/केमरामैन गलत तरीके से वेक्सीनेशन सेंटर मे घुस कर वाईल्स जबरन ले गए तो आपके जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इन लोगो के विरुद्ध स्थानीय पुलिस स्टेशन मे मामला क्यूँ नहीं दर्ज करवाया गया?इसके जिम्मेदार कौन अधिकारी है?
- आपके विभाग द्वारा भास्कर मे प्रकाशित इस खबर की विभाग के किस उच्च अधिकारी/जांच दल द्वारा जांच की गयी?
- वेक्सीनेशन की ऑडिट करने की ज़िम्मेदारी किस अधिकारी/विभाग को दी गयी है?
- सरकार द्वारा टोंक जिले के खाली वैक्सीन वायल को जलाने की खबर को असत्य बताते हुए,टोंक जिले मे स्थित CHC,लांबा हरीसिंह को कुल आवंटित 622 वायल का हिसाब भी बताया गया है,जिसमे बताया गया है कि 614 वाईल्स उपयोग मे ले ली गयी है और खाली वाईल्स ब्लॉक मालपुरा मे जमा करवा दी गयी है|शेष 8 वाईल्स मे से 7 वाईल्स आज दिनांक 01 जून 2021 को काम मे लिया जा रहा है तथा 01 वाईल कोविडशील्ड वेक्सीन कोल्ड चैन मे संधारित है|इस बात को मुखरता से बताने वाले मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कौन है,क्या उन्होने इस बयान को तस्दिक करने के लिए संबन्धित दस्तावेज़/साक्ष्य भी उपलब्ध करवाए है?
- आपके द्वारा भास्कर मे प्रकाशित खबर के खंडन स्वरूप संबन्धित वेक्सीनेशन सेंटरों और जिलों के जो आंकड़े प्रस्तुत किए गए उनके दस्तावेजी साक्ष्य क्या है?
- अब जबकि भारत सरकार द्वारा सेंटर बुक करवाने की व्यवस्था समाप्त कर दी है और अब कोई भी व्यक्ति वेक्सीनेशन सेंटर जाकर टीका लगवा सकता है, तो इस स्थिति मे वेक्सीन खराब नहीं हो इसकी क्या व्यवस्था सरकार द्वारा सुनिश्चित की गयी है?
- क्या जानबूझ कर,सरकार पर विज्ञापनो या अन्य सुविधाओं के लिए दबाव बनाने के लिए तो इस खबर को सनसनीखेज नहीं बनाया जा रहा है?
- क्या यह झगड़ा आईईसी,राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा जारी किए जा रहे करोड़ों के विज्ञापनों की बंदरबाँट का तो नहीं है?
- क्या कब और कैसे होगा इस मामले का पटाक्षेप?
- क्या केंद्र इस खबर को ढाल बनाकर तो राज्य सरकार पर वेक्सीन बर्बादी का टीकरा नहीं फोड़ेगा?क्यूंकि इस समय राज्य सरकार द्वारा कम वेक्सीन सप्लाई के लिए लगातार केंद्र को दोषी ठहराया जा रहा है|

दिनांक 31.05.2021 को दैनिक भास्कर अखबार में प्रकाशित खबर *"राजस्थान में टीके की बर्बादी, 35 सेंटरों के कचरे में मिली 500 वायल, इनमें 2500 से भी ज्यादा डोज"* का खंडन

- दिनांक 31.05.2021 को दैनिक भास्कर अखबार में प्रकाशित खबर ***"राजस्थान में टीके की बर्बादी, 35 सेंटरों के कचरे में मिली 500 वायल, इनमें 2500 से भी ज्यादा डोज"*** पूर्णतः तथ्यों से परे एवं भ्रामक है।
- कोविड–19 टीकाकरण सत्र समाप्ति के पश्चात् समस्त वैक्सीन वाईल्स (Used / Unused) को भारत सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुरुप संबंधित चिकित्सा संस्थान (कोल्डचैन पांइट) पर ही जमा करवाया जाता है। इनमें से Used वाईल्स का बायोमेडीकल वेस्ट नियमों के तहत निस्तारण किया जाता है तथा Unused वाईल्स को निर्धारित तापमान पर संग्रहित कर आगामी सत्रों में उपयोग लिया जाता है।
- दैनिक भास्कर में छपी खबर में जिन स्वास्थ्य केन्द्रों का उल्लेख किया गया है, वहां के टीकाकर्मियों/संबंधित चिकित्सा अधिकारियों द्वारा उच्चाधिकारियों के समक्ष दिये गये बयानों में समानता है तथा जो तथ्य सामने आए हैं, वे निम्नानुसार है :–
  - ✓ पत्रकारों ने स्वयं को गलत तरीके से स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान का उच्चाधिकारी एवं डब्ल्यूएचओ प्रतिनिधि बताया।
  - ✓ संबंधित कर्मचारियों पर दबाव डालकर उनसे इन वाइल्स को प्राप्त किया।
  - ✓ पत्रकारों ने निस्तारण के लिए संग्रहित की गई वैक्सीन वाईल्स में से खंगालकर कुछ वाईल्स जबरन ले ली।
  - ✓ कोई भी वायल कचरे के डिब्बे में फेंकी हुई नहीं थी।
- Central Polution Control Board के Biomedical Waste Disposal के नियमानुसार इस्तेमाल की गई वैक्सीन वाईल्स को बिना समुचित निस्तारण प्रक्रिया के सम्बंधित चिकित्सा संस्थान से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।
- राजस्थान में दिनांक 31 मई, 2021 तक 1.70 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगाई गई है।
- राज्य में 18–44 आयु वर्ग में जीरो वेस्टेज एवं कुल वैक्सीन का वेस्टेज 2% से भी कम है। कोविड–19 वैक्सीनेशन में राजस्थान देशभर में अग्रणी है।

चिकित्सा विभाग के संयुक्त निदेशक(आईईसी) एवं जन संपर्क अधिकारी श्री गोविंद पारिक द्वारा उपलब्ध कारवाई गयी तथ्यात्मक रिपोर्ट

- जिन स्वास्थ्य केन्द्रों की वेस्टेज का विवरण अखबार में दिया गया है। उनके वास्तविक वेस्टेज की स्थिति निम्न तालिकानुसार है :–

Vaccination Centre	District	Wastage (%) as per News Paper	Actual Net Wastage (%) in CoWIN soft. (up to 30-05-21)
Khatkar CHC	Bundi	25	5.35
G.S.S.S. Malpura	Tonk	15	-1.36
CHC Diggi	Tonk	15	-8.18
CHC Malpura	Tonk	15	-9.33
Lalsot CHC	Dausa	9	1.5
Malarna Chaur PHC	S. Madhopur	10	3.48
Govt Hospital Kekri Site 2	Ajmer	5	-1.22
Govt Hospital Kekri Site 45	Ajmer	5	-6.76
Covid Duty Staff Kekri	Ajmer	5	-5.66
PHC Junia Site 1	Ajmer	20	1.58

- जिन जिलों की वेस्टेज का विवरण अखबार में दिया गया है। उनके वास्तविक वेस्टेज की स्थिति निम्न तालिकानुसार है :–

District	Wastage (%) as per News Paper	Actual Net Wastage (%) in CoWIN Soft. (up to 30-05-21)
Churu	39.70	16.95
Bharatpur	17.13	16.36
Kota	16.71	11.91
Chittorgarh	11.81	6.00
Sikar	8.83	5.36
Alwar	8.32	4.18
Hanumangarh	26.40	4.09
Jalore	9.63	4.05
Dholpur	7.89	3.64
Ajmer	6.75	1.44

Net Wastage % of Other Districts	
District	**Net Wastage (%) in CoWIN (Till May 30th,2021)**
Barmer	12.04
Sawai Madhopur	7.41
Jaipur I	5.76
Pali	3.5
Jodhpur	3.01
Dausa	2.78
Nagaur	2.7
Dungarpur	2.59
Karauli	1.77
Baran	1.76
Bundi	1.75
Sri Ganganagar	1.41
Tonk	0.45
Bikaner	0.35
Sirohi	0.14
Jhalawar	0.07
Rajsamand	-0.01
Bhilwara	-0.24
Banswara	-1.58
Jaipur II	-1.93
Jhunjhunu	-2.17
Udaipur	-7.15
Pratapgarh	-7.83
Jaisalmer	-20.25

इसी प्रकाशित खबर के क्रम में दिनांक 01.06..2021 को दैनिक भास्कर अखबार में प्रकाशित खबर ***"स्वास्थ्य मंत्री जी ! तस्वीर को गौर से देखिये, ऐसे ही कचरा पात्रों से 2500 डोज भरी हुई 500 वायल लाया है भास्कर....और आप कहते है – कोई वैक्सीन कचरे में नही फैंका"*** **इस** प्रकाशित खबर की तस्वीर में दिखाया गया प्लास्टिक बैग भारत सरकार की बॉयोमेडिकल वेस्ट डिस्पोजल की गाइडलाईन के अनुसार टीकाकरण में वेस्ट निस्तारण के लिए ही इस्तेमाल किया जाता है। यह खबर भी पूर्णतः तथ्यों से परे एवं भ्रामक है।

- भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव द्वारा दिनांक 23.12.2020 को राज्यो से साझा की गयी बायोमेडिकल वेस्ट डिस्पोजल गाईडलाईन के अनुसार तस्वीर में दिखाये गये पीले बैग मे टीकाकरण सत्र स्थल से उपयोग में ली गई वायल्स/अवधिपार वैक्सीन को संग्रहित किये जाने के लिए उपयोग किया जाता है। संग्रहण के पश्चात गाईडलाईन के अनुसार वायलों को विसंक्रमित कर निस्तारण किया जाता है। पीले बैग कचरा पात्र नहीं है, यह भारत सरकार द्वारा निर्धारित मापदण्डों के आधार पर चिकित्सा संस्थानों पर बॉयो मेडीकल वेस्ट को संग्रहित करने के इस्तेमाल किए जाते हैं। अतः इन्हे कचरा पात्र (Dustbin) कहा जाना गलत है।
- भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा दिनांक 14 जनवरी 2021 को जारी निर्देशानुसार कोविड 19 वैक्सीन की वॉयल को खोले जाने के 4 घण्टे के भीतर ही उपयोग में लिया जाना है। कुछ सत्र स्थलों पर लाभार्थियों के कम संख्या में उपस्थित होने के कारण सत्र समाप्ति पर आखिरी खुली हुई वायल में कुछ डोज बची होने की अवस्था में उन्हे डिस्कार्ड कर दिया जाता है, इस अवस्था में कुछ डोजेज का वेस्ट होना स्वभाविक है और यह वैक्सीन वेस्टेज ही उपरोक्त दी गई सारणीयों में दर्शायी गयी है।
- इसी प्रकाशित खबर में टोंक जिले में खाली वैक्सीन वाईलस को जलाना बताया गया है। उक्त प्रकरण की जांच करने पर यह संज्ञान में आया है कि यह सत्य नहीं है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, टोक द्वारा बताया गया है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लांबा हरिसिंह को कुल 622 वैक्सीन वाईल्स आवंटित की गई थी, इनमें से 614 वाईल्स उपयोग में ले ली गई है, और खाली वाईल्स ब्लॉक मालपुरा पर जमा करवा दी गई है। शेष 8 वाईल्स में से 7 वाईल्स आज दिनांक 01 जून, 2021 को काम में लिया जा रहा है तथा 01 वाईल कोविशील्ड वैक्सीन कोल्डचैन में संधारित है। अतः कोई भी वाईल न तो जलाई गई है और न ही कचरा पात्र में फेंकी गई है।
- दिनांक 31 मई, 2021 को आयोजित विडियो कांफ्रेंस में सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा बताया गया की 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में प्रथम खुराक के कवरेज में राजस्थान देश में अग्रणी है। राज्य में इस आयु वर्ग में 80 प्रतिशत लोगों को प्रथम खुराक लगा दी गई है तथा 45 वर्ष से अधिक एवं 18–44 आयु वर्ग में भी अन्य बडे राज्यों की तुलना में राजस्थान में क्रमशः 62 प्रतिशत एवं 5.19 प्रतिशत प्रथम खुराक लगाकर बेहतर स्थिति में है।
- इस तरह की भ्रामक खबरों से कोविड–19 टीकाकरण में कार्यरत टीकाकर्मियों व अन्य स्टाफ का मनोबल गिरता है एवं टीकाकरण अभियान पर विपरित प्रभाव पडता है। इस तरह की निराधार खबरों से जन समुदाय में टीकाकरण के प्रति विश्वास कम होता है।